ई-संस्करण, अंक 17

Room to Read®
World Change Starts with Educated Children.®

गपशप

हेलो दोस्तों,
आशा है कि आप और आपका परिवार अच्छे से होंगे। आपको इ गपशप कैसी लगी? मजा आ रहा है ना! हमे आशा है आप इनका आनंद अपने परिवार के साथ मिलकर ले रहे है। इन्हें पढ़ कर अपने विचार, प्रतिक्रिया और भावनाए हमसे जरुर साँझा करे। और हा इनको अपने दोस्तों और परिवार से साँझा करना ना भूले, जिससे आपके साथ साथ वह भी इन्हें पढ़ सके।
घर पर रहें। सुरक्षित रहें।

आपकी चुलबुली और बुलबुली

महिला विश्व कप फुटबॉल

आज हम बात करेंगे फुटबॉल के बारे में। फुटबॉल एक ऐसा खेल है जिसे खेलने के लिए शारीरिक और मानसिक बल की जरूरत होती है और ऐसा माना जाता था कि यह खेल सिर्फ पुरुष ही खेल सकते हैं। 2019 में 8 वी महिला विश्व कप फुटबॉल फ्रांस में आयोजित हुआ, जिसमे 24 देशो की टीम ने भाग लिया। फाइनल मैच अमेरिका और नेदेरलान्ड्स के बीच खेला गया, जिसमे अमेरिका ने नेदेरलान्ड्स को 2 गोल से हराकर विश्व कप जित लिया। अगला विश्व कप ऑस्ट्रेलिया और न्यू ज़ीलैंड में आयोजित होगा। पुरुषों के फुटबॉल के बारे में तो लगभग हम सभी जानते हैं, और यह बात शायद आप में से बहुतों को पता होगी कि हर चार साल में फुटबॉल का विश्व कप आयोजित होता है। पर क्या आप लोगों को पता है कि महिला फुटबॉल का भी विश्व कप हर चार साल में आयोजित होता है। पर जहाँ पुरुष विश्व कप की शुरुआत 1930 में हुई, महिला फुटबॉल का विश्व कप 1991 में शुरू हुआ। यह चीन में आयोजित हुई थी। महिला फुटबॉल के पहले विश्व कप में सिर्फ 12 देशों की टीम ने भाग लिया था। फाइनल अमेरिका और नेदरलैंड्स के बिच खेला गया था जिसमे अमेरिका ने 2–1 गोल से जीता था।

दौड़-परी के साथ मुलाकात

असम की 18 वर्षीय एथलीट हिमा दास ने आईएएएफ विश्व अंडर–20 एथलेटिक्स चौंपियनशिप की 400 मीटर स्प्रिंट स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, से लेकर फिल्मी जगत के बड़े–बड़े सितारे तक उसकी उपलब्धि पर उसे बधाई दे रहे हैं। हिमा दास दौड़ प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बन गई है। मैं भी गपशप की तरफ से उनको बधाई देने पहुँच गई। दौड़–परी हिमा के साथ हुई बातचीत को मैं आप लोगों के साथ साझा करती हूँ।

बुलबुली – नमस्कार हिमा, मेरा नाम बुलबुली है, गपशप की तरफ से आपको स्वर्ण पदक जीतने की बहुत–बहुत बधाई।

हिमा – धन्यवाद बुलबुली। मैंने यह जगह हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की है। मेरी यात्रा अभी शुरू ही हुई है। तय करने के लिए मेरे पास एक लंबा रास्ता है।

बुलबुली – हम सब आपके बारे में जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं।

हिमा – असम के नगांव जिले के एक छोटे से गांव धींग में मेरा जन्म हुआ था। मैं अपने पाँच भाई–बहनों में सबसे छोटी हूँ। मेरे पिता एक किसान हैं और मेरी माँ एक घरेलू महिला है।

बुलबुली – हमने सुना है कि आप फुटबॉल भी खेलती हैं?

हिमा – मेरा खेलों से जुड़ाव शुरू से ही रहा है। मैं अपने गांव के स्कूल के मैदान पर फुटबॉल खेलती थी। थोड़ी बड़ी हुई, तो मैंने कुछ स्थानीय क्लबों के लिए भी फुटबॉल खेला और वहीं पहली बार देश के लिए खेलने का भी सपना देखा।

बुलबुली – फुटबॉल खेलते–खेलते आप एथलेटिक्स में कब और कैसे आ गए?

हिमा – दो साल पहले ही मैंने अपने शरीरिक शिक्षा अध्यापक की सलाह पर फुटबॉल को अलविदा कहकर एथलेटिक्स की व्यक्तिगत स्पर्धा में हाथ आजमाने शुरू किया। महीनों तक अभ्यास करने के बाद मैंने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता की सौ मीटर स्पर्धा में न सिर्फ भाग लिया, बल्कि कांस्य पदक भी जीता।

बुलबुली – आपको कब लगा कि एथलेटिक्स में आप नाम बना सकती हैं?

हिमा – जब मुझे जूनियर राष्ट्रीय चौंपियनशिप के लिए कोयंबटूर भेजा गया, तो मुझे जानने वाला कोई नहीं था। वहां मैंने फाइनल में जगह बनाई। जब मैं वापस घर लौटी तो मेरी दुनिया बदल चुकी थी। बेहतर ट्रेनिंग के लिए मेरे कोच निपॉन दास मुझे गुवाहाटी ले आए।

बुलबुली – आप खाली वक्त में क्या करते हैं?

हिमा – जब भी मुझे खाली समय मिलता है तो मैं प्रसिद्ध असमिया गायक जुबिन गर्ग को सुनना पसंद करती हूँ और उन्होंने मुझे काफी प्रेरित भी किया है।

बुलबुली – हमारे पाठको के लिए कोई संदेश देना चाहेंगे?

हिमा – दो साल पहले तक एथलेटिक्स से कोई वास्ता न रखने के बावजूद मैंने गोल्ड मेडल जीता। किसे पता था कि देश के लिए खेलने का मेरा सपना, फुटबॉल में नहीं, बल्कि किसी दूसरे खेल में होगा। इसलिए आपको उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए, आज नहीं तो कल, आपका वक्त जरूर आएगा।

सहेलियों, हिमा सामाजिक रूप से भी बेहद जागरूक है। इन्होंने अपने गांव को शराब मुक्त कराने के लिए अभियान चलाया और अपने गांव धींग को शराब मुक्त करवाया। इसी वजह से इन्हें सब धींग एक्सप्रेस कहकर बुलाते हैं।

हिमा दास के साक्षात्कार से प्रेरित।

आओ पहचाने

1

सौजन्य : https://www.thehindubusinessline.com/news/sports/mary-kom-in-final-vikas-solanki-in-semis-as-boxers-excel/article23500928.ece

2

सौजन्य : https://sportsmatik.com/sports-stars/mithali-raj/MTEzNg--?

3

सौजन्य : https://timesofindia.indiatimes.com/sports/badminton/this-day-that-year-saina-nehwal-claims-bronze-at-london-olympics/articleshow/59908707.cms

4

सौजन्य : https://starsunfolded.com/wp-content/uploads/2016/08/Babita-Kumari.jpg

अपने परिवार के साथ मिलकर इन महिला खिलाड़ियों के बारे में पता करे। आपको जो जानकारी मिली वो हमारे साथ साझा करे। आप अपने एस एम दीदी के भी मदद ले सकती है।

१. मैरी कॉम 2. मिताली राज 3. साइना नेहवाल 4. बबिता कुमारी